अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण का नया क्षेत्रीय कार्यालय

चर्चा में क्यों?

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) ने गंगा नदी के किनारे राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (NW-1) पर अंतर्देशीय जल परिवहन (IWT) गतिविधियों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिये **वाराणसी** स्थित अपने उप-कार्यालय को क्षेत्रीय कार्यालय में उन्नत किया है।

प्रमुख बिंदु

- **IWAI क्षेत्रीय कार्यालय:**
  - भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
  - वर्तमान में इसके **पाँच क्षेत्रीय कार्यालय गुवाहाटी (असम), पटना (बिहार), कोच्चि (केरल), भुवनेश्वर (ओडिशा) और कोलकाता (पश्चिम बंगाल)** में हैं।
  - **वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में नव स्थापित क्षेत्रीय कार्यालय छठा क्षेत्रीय कार्यालय** बन गया है।
    - **वाराणसी कार्यालय मझुआ से वाराणसी मल्टी-मॉडल टर्मिनल (MMT) और प्रयागराज तक 487 किलोमीटर के क्षेत्र में परिचालन का प्रबंधन** करेगा।
    - यह उत्तर प्रदेश में अन्य **राष्ट्रीय जलमार्गों से संबंधित कार्यों की भी देखरेख** करेगा।
- **जल मार्ग विकास परियोजना (JMVP):**
  - यह कार्यालय विश्व बैंक समर्थित जल मार्ग विकास परियोजना (JMVP) के कार्यान्वयन को प्राथमिकता देगा।
  - इसका उद्देश्य निम्नलिखित के माध्यम से **गंगा नदी (NW-1) की क्षमता को बढ़ाना है:**
    - **नदी संरक्षण कार्य** जैसे कि बाँध बाँधना और रखरखाव ड्रेजिंग।
    - **वाराणसी, साहिबगंज और हल्दिया में MMT,** कालीघाट में एक इंटरमॉडल टर्मिनल और फरक्का (पश्चिम बंगाल) में एक नया नेविगेशनल लॉक सहित प्रमुख बुनियादी ढाँचे का निर्माण।
    - जलमार्ग पर **क्रूज** पर्यटन और निर्बाध माल यातायात को **बढ़ावा देना।**
    - **सामुदायिक घाटों का विकास:**
      - JMVP के अंतर्गत चार राज्यों: **उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में 60 सामुदायिक घाटों** का निर्माण किया जा रहा है।
      - इन घाटों का **उद्देश्य स्थानीय यात्रियों**, छोटे और सीमांत किसानों, कारीगरों और मछली पकड़ने वाले समुदायों को **लाभ पहुँचाना** है।
      - वाराणसी क्षेत्रीय कार्यालय इन गतिविधियों की निगरानी करेगा तथा इनका कुशल क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगा।
- **उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय जलमार्ग:**
  - उत्तर प्रदेश में लगभग **30 नदियाँ हैं, जिनमें से 10 को राष्ट्रीय जलमार्ग** घोषित किया गया है।
  - यह कार्यालय गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों बेतवा, चंबल, गोमती, टोंस, वरुणा, गंडक, घाघरा, कर्मनाशा **और** यमुना पर विकास कार्यों की देखरेख करेगा **।**

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण

- यह नौवहन और नौवहन के लिये अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास और विनियमन के लिये **27 अक्तूबर 1986** को अस्तित्व में आया।
- यह मुख्य रूप से **शिपिंग मंत्रालय** से प्राप्त अनुदान के माध्यम से राष्ट्रीय जलमार्गों पर **IWT बुनियादी ढाँचे के विकास और रखरखाव के लिये परियोजनाएँ** चलाता है।

अंतर्देशीय जल परिवहन (IWT)

- **परिचय:**
  - अंतर्देशीय जल परिवहन से तात्पर्य किसी देश की सीमाओं के भीतर स्थित **नदियों, नहरों, झीलों और अन्य नौगम्य जल निकायों** जैसे जलमार्गों के माध्यम से लोगों, माल और सामग्रियों के परिवहन से है।
  - IWT **परिवहन का सबसे किफायती तरीका है,** खास तौर पर कोयला, लौह अयस्क, सीमेंट, खाद्यान्न और उर्वरक जैसे थोक सामानों के

लिये। वर्तमान में, **भारत के मॉडल मिश्रण में इसका हिस्सा 2% है और इसका कम उपयोग** किया जाता है।

- **अंतर्राष्ट्रीय जल परिवहन के सामाजिक-आर्थिक लाभ:**
    - सस्ती परिचालन लागत और अपेक्षाकृत कम ईंधन खपत
    - परिवहन का कम प्रदूषणकारी साधन
    - अन्य परिवहन साधनों की तुलना में भूमि की कम आवश्यकता
    - परिवहन का अधिक पर्यावरण अनुकूल तरीका
    - इसके अलावा, जलमार्गों का **उपयोग नौकायन और मत्स्यन जैसे मनोरंजक उद्देश्यों के लिये भी किया जा सकता है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/new-regional-office-of-inland-waterways-authority